न्यूज डायरी

मेडागास्कर के मंत्री ने 12 घंटे समुद्र में तैरकर बचाई जान

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) अंतानानारिवो। कहते हैं कि मुश्किल चाहे जितनी बड़ी क्यों न हो, इंसान को कभी हार नहीं माननी चाहिए। कुछ यही देखने को मिला अफ्रीकी देश मेडागास्कर में। मेडागास्कर का एक बचाव हेलिकॉप्टर समुद्र में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस हेलिकॉप्टर पर देश के पुलिस मामलों के मंत्री सर्जे गेल्ले भी सवार थे। मंत्री सर्जे करीब 12 घंटे तक समुद्र में तैरते रहे और अंततरू अपनी जान बचाने में कामयाब रहे। यह बचाव हेलिकॉप्टर देश के पूर्वोत्तर तट पर मालवाहक जहाज के डूबने के बाद राहत और बचाव के लिए गया था। इस मालवाहक जहाज पर 130 यात्री अवैध रूप से सवार थे जिसमें से कम से कम 19 लोगों की मौत हो गई है। मंत्री सर्जे गल्ले हेलिकॉप्टर के क्रैश होने के बाद बच गए और समुद्र में करीब 12 घंटे तक तैरते रहे। सुरक्षित तट पर पहुंचने के बाद मंत्री ने कहा, यह मेरे मरने का समय नहीं है।

यूक्रेन में तनाव के अमेरिकी दावों को रूस ने किया खारिज

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) मास्को। संयुक्त राज्य अमेरिका में रूस के दूतावास ने बुधवार को वाशिंगटन से यूक्रेन में बढ़ते तनाव के लिए मास्को को दोषी करार न देने आग्रह किया। रूसी दूतावास ने कहा कि यूक्रेन के हालातों के लिए रूस को दोषी ठहराकर सच्चाई को तोड़ मरोड़ कर पेश न किया जाए। देर रात अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता नेड प्राइस ने ट्वीट करते हुए कहा कि यूक्रेन में तनावपूर्ण स्थिति के लिए रूस जिम्मेदार है। उन्होंने मास्को के बयान के विपरीत ट्वीट में कहा कि कीव या वाशिंगटन नहीं बल्कि इस सबके लिए रूस खुद जिम्मेदार है। रूसी दूतावास ने ट्वीट करते हुए कहा कि हम सच को तोड़ मरोड़ कर पेश न करने का आह्वान करते हैं। उन्होंने कहा कि तनाव की स्थिति को सामान्य करने के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका को हमारी सीमाओं के पास रूस विरोधी सैन्य स्थल स्थापित नहीं करने चाहिए।

अमेरिका के तिब्बत कार्ड से बौखलाया चीन, बाइडन ने साधे कई निशाने

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। ताइवान और हांगकांग के बाद चीन ने तिब्बत मामले को हवा दी है। ऐसा करके अमेरिका ने चीन के जले पर नमक छिड़कने का काम किया है। अभी तक दोनों देशों के बीच ताइवन को लेकर एक शीत युद्ध जैसे हालात बने हुए हैं। अब बाइडन प्रशासन ने तिब्बत का नाम लेकर चीन को और उकसा दिया है। दरअसल, अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने तिब्बत मामलों के लिए भारतीय मूल की राजनयिक अजरा जिया को अपना स्पेशल को–आर्डिनेटर नियुक्त किया है। इससे चीन पूरी तरह से तिलमिला गया है। एक तो मामला चीन का दूसरा उसमें अमेरिकी हस्तक्षेप और तीसरा भारतीय मूल के राजनयिक की नियुक्ति से चीन को जबरदस्त मिर्ची लगी है। अमेरिका के रिपब्लिकन और डेमोक्रेटिक सांसदों का एक प्रभावशाली समूह पहले से ही तिब्बत मुद्दे में हस्तक्षेप करने और दलाई लामा से बात करने के लिए बाइडेन प्रशासन पर दबाव बना रहा था।

डॉलर की खातिर अमेरिका के चरणों में गिरे थे जनरल परवेज मुशर्रफ

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) इस्लामाबाद। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने उस सच को कबूल कर लिया है जिसे पाकिस्तानी सैन्य तानाशाह जनरल परवेज मुशर्रफ लंबे समय से छिपाए हुए थे। प्रधानमंत्री इमरान खान ने अमेरिका के अफगानिस्तान में 20 साल लंबे चले आतंक के खिलाफ युद्ध में पाकिस्तान के शामिल होने के फैसले पर अफसोस जताया। इमरान खान ने यह भी कहा कि ये फैसला जनहित में नहीं बल्कि धन पाने के लिए लिया गया था। साथ ही इमरान ने इसे श्खुद ही अपने आप को दिया गया जख्म करार दिया।अफगानिस्तान में दो दशक चले युद्ध में पाकिस्तान की भागीदारी के आलोचक रहे खान ने दावा किया कि वह वर्ष 2001 में निर्णय लेने वालों के करीबी थे, जब तत्कालीन सैन्य शासक जनरल परवेज मुर्शरफ ने आतंक के खिलाफ युद्ध का हिस्सा बनने का निर्णय लिया था।

ओमीक्रोन के चलते यूरोप में एक और आने वाला है तूफान

चेतावनी

ओमीक्रोन को लेकर डब्ल्यूएचओ ने दी चेतावनी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

वियना। यूरोप में विश्व स्वास्थ्य संगठन के शीर्ष अधिकारी ने सरकारों को ओमीक्रोन स्वरूप के चलते पूरे महाद्वीप में कोरोना वायरस के मामलों में महत्वपूर्ण वृद्धि के लिए तैयार रहने को कहा। ओमीक्रोन पहले ही कई देशों में हावी हो चुका है। डब्ल्यूएचओ के स्थानीय निदेशक डॉक्टर हैंस क्लूज ने वियना में प्रेस कान्फ्रेंस में कहा, हम एक और तूफान को आते हुए देख सकते हैं।

क्लूज ने कहा, कुछ ही सप्ताह में ओमीक्रोन क्षेत्र के और अधिक देशों में हावी हो जाएगा, जिसके चलते पहले ही बुरे दौर से गुजर रही स्वास्थ्य व्यवस्थाएं और प्रभावित होंगी। क्लूज ने कहा कि ओमीक्रोन डब्ल्यूएचओ के यूरोपीय क्षेत्र के कम से कम 38 सदस्य देशों में पाया जा चुका है। ब्रिटेन, डेनमार्क और पुर्तगाल में यह पहले ही हावी हो चुका है। क्लूज ने कहा, कोविड–19 मामलों की बढ़ती तादाद के परिणामस्वरूप

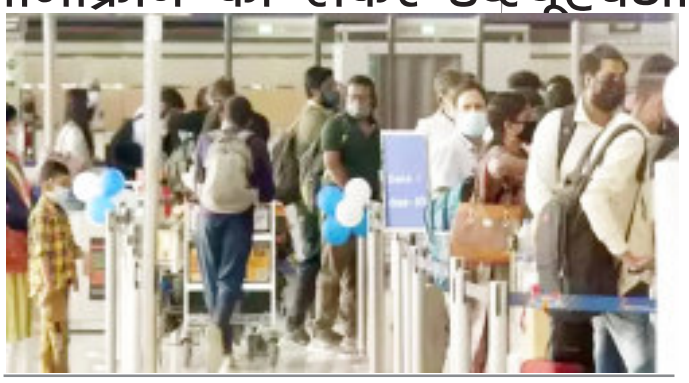

और अधिक लोगों को अस्पतालों में भर्ती कराया जा सकता है।

अमेरिका में भी हावी हो रहा ओमीक्रोनः उन्होंने कहा कि पिछले सप्ताह क्षेत्र में कोरोना वायरस के चलते 27 हजार लोगों की मौत हुई और 26 लाख अतिरिक्त मामले सामने आए हैं। हालांकि इन मामलों में सभी स्वरूपों के संक्रमण के मामले शामिल हैं। उन्होंने कहा कि यह संख्या पिछले साल इसी अवधि की तुलना में 40 प्रतिशत अधिक है। यूके के बाद अब अमेरिका में मरीज तेजी से बढ़ रहे हैं। ओमीक्रोन वेरिएंट के चलते वहां पिछले हफ्ते 3 प्रतिशत केस बढ़े थे जो इस हफ्ते 73 प्रतिशत तक पहुंच गए।

रिसर्च ने कोविशील्ड को लेकर बढ़ाई चिंताः कोविशील्ड वैक्सीन के प्रभाव को लेकर की गई ताजा स्टडी ने भारत समेत कई देशों की चिंताएं बढ़ा दी है। प्रसिद्ध सांइस जर्नल द लांसेट में प्रकाशित एक स्टडी में दावा किया है कि ऑक्सफोर्ड–एस्ट्राजेनेका के कोविड वैक्सीन की दो खुराक लेने के तीन महीने बाद इससे मिलने वाली सुरक्षा घट जाती है। ऑक्सफोर्ड एस्ट्राजेनेका वैक्सीन को ही भारत में कोविशील्ड के नाम से जाना जाता है। भारत समेत कई देशों के लिए इस वैक्सीन का उत्पादन सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया करती है।

सिंगापुर में बढ़ी सख्तीः सिंगापुर। कोरोना वायरस के नए वैरिएंट ओमिक्रोन की दस्तक ने दुनियाभर के देशों में हलचल मचा दी है। सभी देश इस नए वैरिएंट से बचने के लिए सभी तरह के एहतियाती कदम उठा रहे हैं। इस बीच सिंगापुर ने क्वारंटाइन फ्री ट्रैवल के एक कार्यक्रम के तहत 23 दिसंबर से अगले साल 20 जनवरी तक नई टिकटों पर रोक लगाने का एलान किया है। सरकार ने ओमिक्रोन के बढ़ते संक्रमण के मद्देनजर यह निर्णय लिया है। वैक्सीनेटेड ट्रैवल लेन (वीटीएल) कार्यक्रम के तहत सिंगापुर ने कुछ देशों के यात्रियों के लिए क्वारंटीन पर पूरी तरह छूट दी है, जिन्होंने पूर्ण टीकाकरण करवा लिया है। हालांकि, उन्हें नियमित तौर पर टेस्ट करवाने की सलाह दी गई है।

स्पेन में मिला 9वीं शताब्दी का प्राचीन हरक्यूलिस मंदिर

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) मैड्रिड। स्पेन के कैडिज की खाड़ी में एक प्राचीन मंदिर स्थित है। माना जाता है कि प्रसिद्ध तानाशाह जूलियस सीजर सहित प्राचीन यूनानी और रोमन यहां आए थे। इन लोगों ने भगवान हरक्यूलिस से शक्ति के लिए प्रार्थना की थी। अब पुरातत्वविदों को लग रहा है कि उन्होंने इस पौराणिक मंदिर के खंडहर खोज लिए हैं। प्राचीन दस्तावेजों में इस मंदिर को नौवीं शताब्दी ईसा पूर्व का बताया गया है। इसे हरक्यूलिस गैडिटेनस के मंदिर के रूप में जाना जाता है।

दक्षिणी स्पेन में सेविले विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने लाइट डिटेक्शन एंड रेंजिंग (एलआईडीएआर) का इस्तेमाल करके सैंक्टी पेट्री चौनल में एक स्मारकनुमा इमारत के निशान पाए हैं। यह तकनीक जमीन पर लेजरों को फायर करके और परावर्तित प्रकाश के रिसीवर में वापस आने के समय को मापकर पृथ्वी की सतह की जांच करने के लिए एक रिमोट सेंसिंग विधि का इस्तेमाल करती है।

टीम ने 984 फीट लंबी और 492 फीट चौड़ी एक आयताकार संरचना की पहचान की है। यह उस द्वीप के समान माप है जहां कभी मंदिर स्थित था। कहा जाता है कि हरक्यूलिस गैडिटैनस का मंदिर स्तंभों वाला मंदिरश था जिसमें एक ज्वाला लगातार जलती रहती थी।

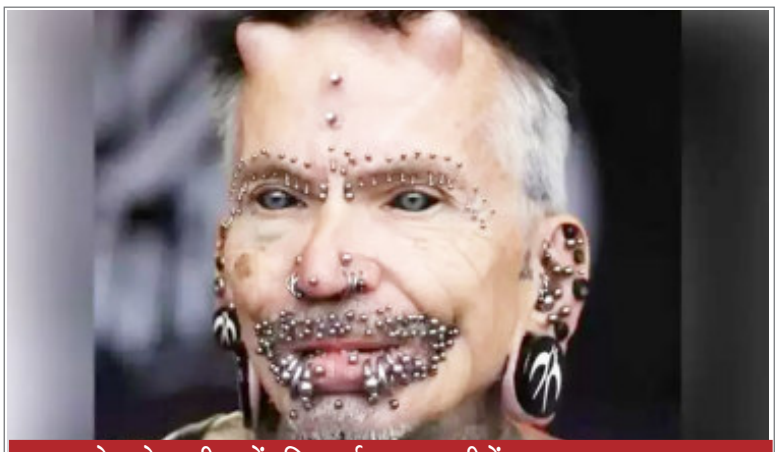

शख्स ने पूरे शरीर में छिदवाई 453 कीलें

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) बर्लिन। दुनिया के सबसे पियर्स्ड (अपने शरीर में छेद करवाने वाला) शख्स ने एक बेहद चौंकाने वाला खुलासा किया है। 61 वर्षीय शख्स ने खुलासा किया है कि अपने पेनिस पर 278 पियर्सिंग के बावजूद वह एक अच्छी सेक्स लाइफ जी रहा है। अपने पूरे शरीर पर 453 मेटल पियर्सिंग करवाने वाले रॉल्फ बुकहोल्ज का नाम गिनीज वर्ल्ड रेकॉर्ड में शामिल है। जर्मनी के डॉर्टमुंड के रहने वाले बुकहोल्ज के शरीर पर अनगिनत टैटू बने हुए हैं। उनकी आंखों की पुतलियों पर भी टैटू बने हुए हैं और उन्होंने अपने सिर पर सींग भी बनवाए हैं। बुकहोल्ज ने 40 साल की उम्र में अपनी पहली पियर्सिंग करवाई थी लेकिन अब यह उनके पूरे शरीर पर मौजूद है।

रूस में आर्कटिक तट पर समुद्र से निकलने लगी रहस्यमय नीली चमक

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

मास्को। रूस में वाइट सी के बर्फीले पानी से अचानक से रहस्यमय नीली चमक निकलने लगी। समुद्र की बर्फ में क्रिसमस की तरह से रंगीन लाइट देखकर रूसी जीव विज्ञानी हैरान रह गए। ये वैज्ञानिक आर्कटिक के तट पर काम कर रहे थे। उन्होंने वाइट सी से आ रही नीली चमक को अपने कैमरे में कैद किया। बताया जा रहा है कि आकार में बेहद छोटे से इस जीव कॉपिपोड की वजह से यह लाइट आ रही थी।

आर्कटिक इलाके में 80 साल बाद ऐसा हुआ है जब ये नीली लाइट देखी गई है। इस दूरस्थ शोध केंद्र पर तैनात माइक्रोबॉयोलॉजिस्ट वेरा इमेलीआनेंको ने कुछ बर्फ को इकट्ठा किया। इसके बाद इस बर्फ को एक माइक्रोस्कोप से देखा गया और पाया गया कि यह चमक छोटे से bioluminescent पशु से आ रही है जिसे कॉपिपोड के नाम से जाना जाता है। ये समुद्री कीड़े होते हैं और दिन के समय में समुद्र में 300 फुट नीचे पाए जाते हैं। जैसे ही रात होती है, ये कीड़े समुद्र में काफी ऊपर तक आ जाते हैं।

रूसी अकादमी ऑफ साइंस से जुड़ी कसेनिआ कोसोबोकोवा ने कहा कि कॉपिपोड जीव संभवतरू वाइट सी में शक्तिशाली लहरों की चपेट में आ गए थे और बहकर तट पर आ गए। गत 1 दिसंबर को समुद्र की लहरें बहुत तेज थीं और इसी समय पहली बार इस नीली लाइट को देखा गया था। इसके बाद 16 दिसंबर को भी तेज लहरें आई थीं। इससे संकेत मिलता है कि तेज लहरों ने कॉपिपोड को बाध्य किया कि वे तट पर आएं। Bioluminescence एक प्राकृतिक अवधारणा है जिसमें एक जिंदा जीव से रोशनी निकलती है। यह रोशनी केमिकल रिएक्शन की वजह से निकलती है। इस जीव में एक कण पाया जाता है जिसे सनबपमितपद कहा जाता है। लूसीफेरिन ऑक्सीजन के साथ प्रतिक्रिया करता है और हल्की रोशनी पैदा करता है।

अमेरिकी सांसदों के बाद पाकिस्तान ने लगाई अमेरिका से गुहार

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) इस्लामाबाद। अफगानिस्तान के केंद्रीय बैंकों में जमा राशि को मुक्त करने की मांग अब जोर पकड़ रही है। अमेरिकी सांसदों के बाद अब पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने अमेरिका से अफगानिस्तान की संपत्ति को मुक्त करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि अगर अमेरिका बैंकों में पड़ी काबुल की राशि को मुक्त कर दे तो अफागिनस्तान की बिगड़ती अर्थव्यवस्था के चलते खराब स्थिती को सुधारा जा सकता है। बता दें कि अफगानिस्तान की पूर्व सरकार गिरने के बाद नौ अरब अमेरिकी डालर अफगान संपत्ति विदेशी बैंकों खासतौर पर अमेरिका में जमा हुई है। डान अखबार की रिपोर्ट के अनुसार प्रधानमंत्री इमरान खान ने कहा कि यह जानते हुए कि विदेशी बैकों में जमा अफगानिस्तान की राशि को मुक्त करने से संकट को टाला जा सकता है। तो यह मानव द्वारा पैदा किया हुआ संकट है। यह बात इमरान खान ने मंगलवार को इस्लामिक सहयोग संगठन के विदेश कार्यालय में विदेश मंत्रियों की परिषद के असाधारण सत्र के सफल आयोजन को लेकर आयोजित एक समारोह में कही।